जनवरी, 2022

अपनाई जाने वाली रीतियां

- सुनिश्चित सिंचाई वाली व्यवस्था में षटकोणीय अथवा वर्गाकार विधि में 9 मीटर का फासला बनाये रखते हुए तेल ताड़ के पौधे लगायें।
- वयस्क फलोद्यानों में प्रति दिन प्रति ताड़ 160 लिटर जल की दर पर सिंचाई करें।
- ताड़ के बेसिन में 2.5 मिलि./लिटर जल की दर से खरपतवारनाशक ग्लाइफोसेट अमोनिया/पैराक्वैट का प्रयोग करें।
- वयस्क फलोद्यान में प्रति एकड़ 5 किग्रा. यूरिया, 3 किग्रा. डीएपी एवं 5 किग्रा. एमओपी का प्रयोग करते हुए मासिक उर्वरीकरण (थ्मतजपहंजपवद) करें।
- तीन वर्ष तक किशोर फलोद्यानों में पृथक्करण औजार (।इसंजपवद जववस) की मदद से पृथक्करण रीति को अपनायें।
- ताड़ बेसिन में कटी हुई पत्तियों, नर पुष्पक्रम तथा रिक्त फल गुच्छों के साथ पलवार बिछायें।
- छोटे वृक्षों में छेनी अथवा टांकी की मदद से और बड़े अथवा ऊंचे वृक्षों में एल्युमिनियम खंभे के साथ लगी दरांती की मदद से गुच्छों की कटाई करें। कटाई करते समय केवल 5 सेमी. गुच्छा डंठल को ही छोड़ें।
- तेल ताड़ बेसिन में जुताई न करें।

अपनाई जाने वाली रीतियां

- सुनिश्चित सिंचाई वाली व्यवस्था में षटकोणीय अथवा वर्गाकार विधि में 9 मीटर का फासला बनाये रखते हुए तेल ताड़ के पौधे लगायें।
- वयस्क फलोद्यानों में प्रति दिन प्रति ताड़ 200 लिटर जल की दर पर सिंचाई करें।
- वयस्क फलोद्यान में प्रति एकड़ 5 किग्रा. यूरिया, 3 किग्रा. डीएपी एवं 5 किग्रा. एमओपी का प्रयोग करते हुए मासिक उर्वरीकरण (श्मतजपहंजपवद) करें।
- 250 ग्राम मैग्नीशियम सल्फेट/ताड़ तथा बोरेक्स 50 ग्राम/ताड़ का प्रयोग करें।
- तीन वर्ष तक किशोर फलोद्यानों में पृथक्करण औजार (।इसंजपवद जववस) की मदद से पृथक्करण रीति को अपनायें।
- ताड़ बेसिन में कटी हुई पत्तियों, नर पुष्पक्रम तथा रिक्त फल गुच्छों के साथ पलवार बिछायें।
- फलोद्यान में बैग वॉर्म/पत्ती वेब वॉर्म/स्लग कैटरपिल्लर की निगरानी करें और यदि ये दिखाई दें तो फिर प्रति लिटर जल में 1 मिलि. की दर पर लाम्बडा साहलोथ्रिन का प्रयोग करें ।
- छोटे वृक्षों में छेनी अथवा टांकी की मदद से और बड़े अथवा ऊंचे वृक्षों में एल्युमिनियम खंभे के साथ लगी दरांती की मदद से गुच्छों की कटाई करें। कटाई करते समय केवल 5 सेमी. गुच्छा डंठल को ही छोड़ें।
- तेल ताड़ बेसिन में जुताई न करें।

मार्च, 2022

अपनाई जाने वाली रीतियां

- सुनिश्चित सिंचाई वाली व्यवस्था में षटकोणीय अथवा वर्गाकार विधि में 9 मीटर का फासला बनाये रखते हुए तेल ताड़ के पौधे लगायें।
- वयस्क फलोद्यानों में प्रति दिन प्रति ताड़ 250 लिटर जल की दर पर सिंचाई करें।
- वयस्क फलोद्यान में प्रति एकड़ 5 किग्रा. यूरिया, 3 किग्रा. डीएपी एवं 5 किग्रा. एमओपी का प्रयोग करते हुए मासिक उर्वरीकरण (श्मतजपहंजपवद) करें।
- तीन वर्ष तक किशोर फलोद्यानों में पृथक्करण औजार (।इसंजपवद जववस) की मदद से पृथक्करण रीति को अपनायें।
- ताड़ बेसिन में कटी हुई पत्तियों, नर पुष्पक्रम तथा रिक्त फल गुच्छों के साथ पलवार बिछायें।
- छोटे वृक्षों में छेनी अथवा टांकी की मदद से और बड़े अथवा ऊंचे वृक्षों में एल्युमिनियम खंभे के साथ लगी दरांती की मदद से गुच्छों की कटाई करें। कटाई करते समय केवल 5 सेमी. गुच्छा डंठल को ही छोड़ें।
- मृदा के अनुसार प्रति ताड़ में उर्वरकों यथा यूरिया 650 ग्राम, एसएसपी 940 ग्राम एवं एमओपी 500 ग्राम का आधारीय प्रयोग करें और वयस्क तेल ताड़ फलोद्यानों में पत्ती पोषक तत्व विश्लेषण को अपनाया जाए।
- तेल ताड़ बेसिन में जुताई न करें।

अप्रैल, 2022

अपनाई जाने वाली रीतियां

- किशोर अवधि के दौरान ताड़ बेसिन में हरी खाद फसल के रूप में सनई को बोयें ।
- वयस्क फलोद्यानों में प्रति दिन प्रति ताड़ 265 लिटर जल की दर से सिंचाई करें ।
- ताड़ के बेसिन में 2.5 मिलि./लिटर जल की दर से खरपतवारनाशक ग्लाइफोसेट अमोनिया/पैराक्वैट का प्रयोग करें।
- वयस्क फलोद्यान में प्रति एकड़ 5 किग्रा. यूरिया, 3 किग्रा. डीएपी एवं 5 किग्रा. एमओपी का प्रयोग करते हुए मासिक उर्वरीकरण (थ्मतजपहंजपवद) करें।
- तीन वर्ष तक किशोर फलोद्यानों में पृथक्करण औजार (।इसंजपवद जववस) की मदद से पृथक्करण रीति को अपनायें।
- ताड़ बेसिन में कटी हुई पत्तियों, नर पुष्पक्रम तथा रिक्त फल गुच्छों के साथ पलवार बिछायें।
- मृदा एवं पत्ती के नमूनों को संकलित करके उन्हें जांच के लिए भेंजें।
- छोटे वृक्षों में छेनी अथवा टांकी की मदद से और बड़े अथवा ऊंचे वृक्षों में एल्युमिनियम खंभे के साथ लगी दरांती की मदद से गुच्छों की कटाई करें। कटाई करते समय केवल 5 सेमी. गुच्छा डंठल को ही छोड़ें।
- तेल ताड़ बेसिन में जुताई न करें।

मई, 2022

अपनाई जाने वाली रीतियां

- किशोर अवधि के दौरान ताड़ बेसिन में हरी खाद फसल के रूप में सनई को बोयें ।
- वयस्क फलोद्यानों में प्रति दिन प्रति ताड़ 250 लिटर जल की दर पर सिंचाई करें और अत्यधिक गरमी वाले मौसम में प्रति दिन प्रति ताड़ 350 लिटर जल के साथ सिंचाई करें।
- वयस्क फलोद्यान में प्रति एकड़ 5 किग्रा. यूरिया, 3 किग्रा. डीएपी एवं 5 किग्रा. एमओपी का प्रयोग करते हुए मासिक उर्वरीकरण (थ्मतजपहंजपवद) करें।
- तीन वर्ष तक किशोर फलोद्यानों में पृथक्करण औजार (।इसंजपवद जववस) की मदद से पृथक्करण रीति को अपनायें।
- ताड़ बेसिन में कटी हुई पत्तियों, नर पुष्पक्रम तथा रिक्त फल गुच्छों के साथ पलवार बिछायें।
- आवश्यकतानुसार पत्तियों की कटाई छंटाई करें और प्रति ताड़ कम से कम 35 पत्तियों को बनायें रखें।
- यदि अप्रैल माह में ऐसा नहीं किया गया है तो मृदा एवं पत्ती नमूनों को संकलित करके उन्हें जांच के लिए भेजें।
- छोटे वृक्षों में छेनी अथवा टांकी की मदद से और बड़े अथवा ऊंचे वृक्षों में एल्युमिनियम खंभे के साथ लगी दरांती की मदद से गुच्छों की कटाई करें। कटाई करते समय केवल 5 सेमी. गुच्छा डंठल को ही छोड़ें।

जून, 2022

अपनाई जाने वाली रीतियां

- सुनिश्चित सिंचाई वाली व्यवस्था में षटकोणीय अथवा वर्गाकार विधि में 9 मीटर का फासला बनाये रखते हुए तेल ताड़ के पौधे लगायें।
- वर्षा/उपलब्ध नमी के आधार पर आवश्यकतानुसार वयस्क फलोद्यानों में प्रति दिन प्रति ताड़ वृक्ष में 220 लिटर जल की दर पर सिंचाई करें।
- सनई फसल की कटाई करें और उसे ताड़ बेसिन में पलवार के रूप में बिछायें ।
- वयस्क फलोद्यान में प्रति एकड़ 5 किग्रा. यूरिया, 3 किग्रा. डीएपी एवं 5 किग्रा. एमओपी का प्रयोग करते हुए मासिक उर्वरीकरण (श्ममतजपहंजपवद) करें।
- मृदा के अनुसार प्रति ताड़ में उर्वरकों यथा यूरिया 650 ग्राम, एसएसपी 940 ग्राम एवं एमओपी 500 ग्राम का आधारीय प्रयोग करें और वयस्क तेल ताड़ फलोद्यानों में पत्ती पोषक तत्व विश्लेषणको अपनाया जाए।
- तीन वर्ष तक किशोर फलोद्यानों में पृथक्करण औजार (।इसंजपवद जववस) की मदद से पृथक्करण रीति को अपनायें।
- कली सड़न की रोकथाम करने के लिए एक लिटर जल में 10 ग्राम की दर पर क्लोरोथैलोनिल का प्रयोग करें (क्राउन क्षेत्र में 100–250 मिलि. घोल)
- राइनोसिरॉस भृंग की रोकथाम करने के लिए क्राउन क्षेत्र में छिद्रित सैसे में 20 ग्राम फोरेट रखें।
- छोटे वृक्षों में छेनी अथवा टांकी की मदद से और बड़े वृक्षों में एल्युमिनियम खंभे के साथ लगी दरांती की मदद से गुच्छों की कटाई करें। कटाई करते समय केवल 5 सेमी. गुच्छा डंठल को ही छोड़ें।

अपनाई जाने वाली रीतियां

- सुनिश्चित सिंचाई वाली व्यवस्था में षटकोणीय अथवा वर्गाकार विधि में 9 मीटर का फासला बनाये रखते हुए तेल ताड़ के पौधे लगायें।
- वर्षा/उपलब्ध नमी के आधार पर आवश्यकतानुसार वयस्क फलोद्यानों में प्रति दिन प्रति ताड़ वृक्ष में 120 लिटर जल की दर पर सिंचाई करें।
- वयस्क फलोद्यान में प्रति एकड़ 5 किग्रा. यूरिया, 3 किग्रा. डीएपी एवं 5 किग्रा. एमओपी का प्रयोग करते हुए मासिक उर्वरीकरण (थ्मतजपहंजपवद) करें।
- तीन वर्ष तक किशोर फलोद्यानों में पृथक्करण औजार (।इसंजपवद जववस) की मदद से पृथक्करण रीति को अपनायें।
- कली सड़न की रोकथाम करने के लिए एक लिटर जल में 10 ग्राम की दर पर क्लोरोथैलोनिल का प्रयोग करें (क्राउन क्षेत्र में 100–250 मिलि. घोल)
- राइनोसिरॉस भृंग की रोकथाम करने के लिए क्राउन क्षेत्र में छिद्रित सैसे में 20 ग्राम फोरेट रखें।
- छोटे वृक्षों में छेनी अथवा टांकी की मदद से और बड़े अथवा ऊंचे वृक्षों में एल्युमिनियम खंभे के साथ लगी दरांती की मदद से गुच्छों की कटाई करें। कटाई करते समय केवल 5 सेमी. गुच्छा डंठल को ही छोड़ें।

अपनाई जाने वाली रीतियां

- सुनिश्चित सिंचाई वाली व्यवस्था में षटकोणीय अथवा वर्गाकार विधि में 9 मीटर का फासला बनाये रखते हुए तेल ताड़ के पौधे लगायें।
- वर्षा/उपलब्ध नमी के आधार पर आवश्यकतानुसार वयस्क फलोद्यानों में प्रति दिन प्रति ताड़ वृक्ष में 100 लिटर जल की दर पर सिंचाई करें।
- वयस्क फलोद्यान में प्रति एकड़ 5 किग्रा. यूरिया, 3 किग्रा. डीएपी एवं 5 किग्रा. एमओपी का प्रयोग करते हुए मासिक उर्वरीकरण (थ्मतजपहंजपवद) करें।
- मैग्नीशियम सल्फेट 250 ग्राम/ताड़, बोरेक्स 50 ग्राम/ताड़ का प्रयोग करें।
- तीन वर्ष तक किशोर फलोद्यानों में पृथक्करण औजार (।इसंजपवद जववस) की मदद से पृथक्करण रीति को अपनायें।
- ताड़ बेसिन में कटी हुई पत्तियों, नर पुष्पक्रम तथा रिक्त फल गुच्छों के साथ पलवार बिछायें।
- छोटे वृक्षों में छेनी अथवा टांकी की मदद से और बड़े वृक्षों में एल्युमिनियम खंभे के साथ लगी दरांती की मदद से गुच्छों की कटाई करें। कटाई करते समय केवल 5 सेमी. गुच्छा डंठल को ही छोड़ें।

सितम्बर, 2022

अपनाई जाने वाली रीतियां

- सुनिश्चित सिंचाई वाली व्यवस्था में षटकोणीय अथवा वर्गाकार विधि में 9 मीटर का फासला बनाये रखते हुए तेल ताड़ के पौधे लगायें।
- वर्षा/उपलब्ध नमी के आधार पर आवश्यकतानुसार वयस्क फलोद्यानों में प्रति दिन प्रति ताड़ को 145 लिटर जल की दर पर सिंचाई करें।
- वयस्क फलोद्यान में प्रति एकड़ 5 किग्रा. यूरिया, 3 किग्रा. डीएपी एवं 5 किग्रा. एमओपी का प्रयोग करते हुए मासिक उर्वरीकरण (थ्मतजपहंजपवद) करें।
- मृदा के अनुसार प्रति ताड़ में उर्वरकों यथा यूरिया / 650 ग्राम, एसएसपी / 940 ग्राम एवं एमओपी / 500 ग्राम का आधारीय प्रयोग करें और वयस्क तेल ताड़ फलोद्यानों में पत्ती पोषक तत्व विश्लेषण को अपनाया जाए।
- तीन वर्ष तक किशोर फलोद्यानों में पृथक्करण औजार (इसंजपवद जववस) की मदद से पृथक्करण रीति को अपनायें।
- ताड़ बेसिन में कटी हुई पत्तियों, नर पुष्पक्रम तथा रिक्त फल गुच्छों के साथ पलवार बिछायें।
- छोटे वृक्षों में छेनी अथवा टांकी की मदद से और बड़े अथवा ऊंचे वृक्षों में एल्युमिनियम खंभे के साथ लगी दरांती की मदद से गुच्छों की कटाई करें। कटाई करते समय केवल 5 सेमी. गुच्छा डंठल को ही छोड़ें।

अक्तूबर, 2022

अपनाई जाने वाली रीतियां

- सुनिश्चित सिंचाई वाली व्यवस्था में षटकोणीय अथवा वर्गाकार विधि में 9 मीटर का फासला बनाये रखते हुए तेल ताड़ के पौधे लगायें।
- बैग वॉर्म/पत्ती खाने वाले कैटरपिल्लर की निगरानी करें और यदि ये पाए जाएं तो प्रति लिटर जल में 1 मिलि. की दर पर लाम्बड़ा साहलोथ्रिन का प्रयोग करें।
- वर्षा/उपलब्ध नमी के आधार पर आवश्यकतानुसार वयस्क फलोद्यानों में प्रति दिन प्रति ताड़ को 140 लिटर जल की दर पर सिंचाई करें।
- वयस्क फलोद्यान में प्रति एकड़ 5 किग्रा. यूरिया, 3 किग्रा. डीएपी एवं 5 किग्रा. एमओपी का प्रयोग करते हुए मासिक उर्वरीकरण (श्मतजपहंजपवद) करें।
- तीन वर्ष तक किशोर फलोद्यानों में पृथक्करण औजार (।इसंजपवद जववस) की मदद से पृथक्करण रीति को अपनायें।
- छोटे वृक्षों में छेनी अथवा टांकी की मदद से और बड़े अथवा ऊंचे वृक्षों में एल्युमिनियम खंभे के साथ लगी दरांती की मदद से गुच्छों की कटाई करें। कटाई करते समय केवल 5 सेमी. गुच्छा डंठल को ही छोड़ें।
- किशोर फलोद्यानों में अंतर फसल बोयें।
- ताड़ बेसिन में जुताई न करें, पत्तियों को न काटें, पत्तियों को आपस में नहीं बांधें और साथ ही ताड़ बेसिन में अंत फसलों की रोपाई नहीं करें।

नवम्बर, 2022

अपनाई जाने वाली रीतियां

- सुनिश्चित सिंचाई वाली व्यवस्था में षटकोणीय अथवा वर्गाकार विधि में 9 मीटर का फासला बनाये रखते हुए तेल ताड़ के पौधे लगायें।
- कली सड़न की रोकथाम करने के लिए एक लिटर जल में 10 ग्राम की दर पर क्लोरोथैलोनिल का प्रयोग करें (क्राउन क्षेत्र में 100–250 मिलि. घोल)
- राइनोसिरॉस भृंग की रोकथाम करने के लिए क्राउन क्षेत्र में छिद्रित सैसे में 20 ग्राम फोरेट रखें।
- यदि अप्रैल/मई में संकलन नहीं किया गया है तो मृदा व पत्ती नमूनों का संकलन जांच के लिए कर लें।
- वर्षा/उपलब्ध नमी के आधार पर आवश्यकतानुसार वयस्क फलोद्यानों में प्रति दिन प्रति ताड़ को 170 लिटर जल की दर पर सिंचाई करें।
- वयस्क फलोद्यान में प्रति एकड़ 5 किग्रा. यूरिया, 3 किग्रा. डीएपी एवं 5 किग्रा. एमओपी का प्रयोग करते हुए मासिक उर्वरीकरण (थ्मतजपहंजपवद) करें।
- तीन वर्ष तक किशोर फलोद्यानों में पृथक्करण औजार (।इसंजपवद जवक्स) की मदद से पृथक्करण रीति को अपनायें।
- ताड़ बेसिन में कटी हुई पत्तियों, नर पुष्पक्रम तथा रिक्त फल गुच्छों के साथ पलवार बिछायें।
- छोटे वृक्षों में छेनी अथवा टांकी की मदद से और बड़े अथवा ऊंचे वृक्षों में एल्युमिनियम खंभे के साथ लगी दरांती की मदद से गुच्छों की कटाई करें। कटाई करते समय केवल 5 सेमी. गुच्छा डंठल को ही छोड़ें।
- पत्तियों को न हीं काटे और न ही आपस में बांधें।

दिसम्बर, 2022

अपनाई जाने वाली रीतियां

- सुनिश्चित सिंचाई वाली व्यवस्था में षटकोणीय अथवा वर्गाकार विधि में 9 मीटर का फासला बनाये रखते हुए तेल ताड़ के पौधे लगायें।
- कली सड़न की रोकथाम करने के लिए एक लिटर जल में 10 ग्राम की दर पर क्लोरोथैलोनिल का प्रयोग करें (क्राउन क्षेत्र में 100–250 मिलि. घोल)
- वर्षा/उपलब्ध नमी के आधार पर आवश्यकतानुसार वयस्क फलोद्यानों में प्रति दिन प्रति ताड़ को 160 लिटर जल की दर पर सिंचाई करें।
- वयस्क फलोद्यान में प्रति एकड़ 5 किग्रा. यूरिया, 3 किग्रा. डीएपी एवं 5 किग्रा. एमओपी का प्रयोग करते हुए मासिक उर्वरीकरण (श्मतजपहंजपवद) करें।
- मृदा के अनुसार प्रति ताड़ में उर्वरकों यथा यूरिया 650 ग्राम, एसएसपी 940 ग्राम एवं एमओपी 500 ग्राम का आधारीय प्रयोग करें और वयस्क तेल ताड़ फलोद्यानों में पत्ती पोषक तत्व विश्लेषण को अपनाया जाए।
- तीन वर्ष तक किशोर फलोद्यानों में पृथक्करण औजार (।इसंजपवद जववस) की मदद से पृथक्करण रीति को अपनायें।
- ताड़ बेसिन में कटी हुई पत्तियों, नर पुष्पक्रम तथा रिक्त फल गुच्छों के साथ पलवार बिछायें।
- छोटे वृक्षों में छेनी अथवा टांकी की मदद से और बड़े अथवा ऊंचे वृक्षों में एल्युमिनियम खंभे के साथ लगी दरांती की मदद से गुच्छों की कटाई करें। कटाई करते समय केवल 5 सेमी. गुच्छा डंठल को ही छोड़ें।
- पत्तियों को न हीं काटे और न ही आपस में बांधें।